ना, 16 दिसंबर 2011 दैनिक जागरण

पिया परदेसिया अइहें ना ...

पटना, आर्थिक प्रतिनिधि : विद्युत बोर्ड कालोनी में लगा सरस मेला शाम होते ही लोकगीतों की धुन पर थिरकने लगता है। दिन भर खरीदारी भी चलती रहती है लेकिन शाम होते ही चटपटे व्यंजनों के स्टाल पर भीड़ उमड़ पड़ती है। गुरुवार को मेले में पहुंचे श्रम संसाधन मंत्री जर्नादन सिंह सिग्रीवाल ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सफल प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण रोजगार संवर्द्धन की दृष्टि से इस मेले की प्रासंगिकता बहुत अधिक है। मेले में देखने, खरीदने और सीखने के लिए भी बहुत कुछ है। मेले में प्रतिदिन कई कार्यक्रम हो रहे हैं लेकिन लोकगीतों की बारी आते ही कुर्सियां कम पड़ जाती हैं। आज लोक गायक अजय उपाध्याय ने पिया परदेसिया अइहें ना, हमरा आम अमरइया बड़ा निक लागेगा जैसे लोकगीतों से सबको मोह लिया। नाल पर अर्जुन चौधरी, तबला पर डा. शिवजी सिंह और आर्गन पर विनोद कुमार उनका साथ दे रहे थे। सोनी कुमारी, माधव, राजीव तिवारी, मो. शाहिद आलम, शिल्पी, मानसी, सोनाली द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य भी मनमोहक था। पीआरडीए द्वारा डा. राजेन्द्र प्रसाद अतीत के हस्ताक्षर और बिहार डायरी :एपिसोड66: डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। मेले के संयोजक वरूण कुमार सिंह के मुताबिक कारोबार भी जमकर हो रहा है। बुधवार को मेले में 3,83,184 लाख रुपये के उत्पाद बिके थे। उड़ीसा से आये मो.रजा कहते हैं, कलात्मक कपड़ों की खूब मांग है पटना में। आंध्र प्रदेश से आई भाग्यलक्ष्मी ने बताया कि हैंडलूम वस्त्रों की भी अच्छी डिमांड है। लखनऊ से आए गुड्डु कुमार ने कहा कि लखनवी चिकन और लेडिज सूट की खूब बिक्री हो रही है। हरियाणा से आए चमन कुमार ने कहा कि टेराकोटा की खूब बिक्री हो रही है।

- शाम होते ही लोकधुन पर थिरकने लगता है सरस मेला

सरस मेले में जायता लेते सिग्रीवाल